[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5236 G

Unique Paper Code : 12311346

Name of the Paper : History of India – III (c. 750-1200)

Name of the Course : **History (NC)**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **any four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Give a critical account of the sources available for the reconstruction of early medieval Indian history.

आरंभिक मध्यकालीन भारत की पुनर्रचना के लिए उपलब्ध स्रोतों का एक आलोचनात्मक ब्यौरा दीजिये।

2. Critically evaluate the 'Indian Feudalism' model to explain early medieval India.

आरंभिक मध्यकालीन भारत की व्याख्या में 'भारतीय सामंतवाद' प्रारूप का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

3. Explain various stages in the evolution of the Chola state.

चोल राज्य के विकास में विभिन्न चरणों की व्याख्या कीजिए।

Or

How far it is rationale to see the Ghaznavid invasions in terms of 'foreign' invasions on 'India'? Justify your answer with the help of contemporary sources.

गज़नवी आक्रमणों को 'भारत' पर विदेशी आक्रमणों के रूप में देखना कितना तर्कसंगत है? अपने उत्तर का समर्थन समकालीन साक्ष्यों की मदद से करें।

4. Discuss the peasantization of tribes and proliferation of castes during early medieval India.

आरंभिक मध्यकालीन भारत में जनजातियों के कृषककरण एवं जातियों के प्रगुणन की चर्चा कीजिए।

5. Describe the state of internal and external trade during c.750-1200 CE.

लगभग 750 से 1200 ईस्वी के दौरान आंतरिक एवं बाह्य व्यापार की दशा का वर्णन कीजिए।

6. Elucidate the ideology of Alvars and Nayanars in early medieval south India.

आरंभिक मध्यकालीन दक्षिण भारत में अलवार एवं नयनार संतों की विचारधारा को स्पष्ट कीजिए।

7. Discuss the features of Nagara and Dravid styles of architecture during c. 750-1200 CE.

लगभग 750 - 1200 ईस्वी के बीच स्थापत्य की नागर एवं द्रविड़ शैलियों की विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

8. Write short notes on **any two** of the following :

निम्न में से **किन्हीं दो** पर लघु टिप्पणियां लिखो :

(i) Origin of Rajputs

राजपूतों का उदय

(ii) Expansion of the Chola empire in Southeast Asia

दक्षिणपूर्व एशिया में चोल साम्राज्य का विस्तार

(iii) Merchant guilds of south India

दक्षिण भारत की व्यापारिक श्रेणियां

(iv) Tantric practices

तांत्रिक प्रथाएं